http://www.cbseboardonline.com

कक्षा–9 | प्रथम फॉरमेटिव परीक्षा – 2014-15 | पूर्णांक–20

दिनांक–24.7.2014 | हिन्दी | समय–1 घंटा

निर्देश :– 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सुलेख पर ध्यान दीजिए।

I. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x4=4)

1. 'निर्द्वंद्व' शब्द से उपसर्ग व मूल शब्द छाँटकर लिखिए।
2. 'दुस्साहस' शब्द से उपसर्ग व मूल शब्द छाँटकर लिखिए।
3. 'ईला' प्रत्यय का प्रयोग कर **दो** नए शब्द बनाएँ।
4. 'उपकारक' – शब्द में से उपसर्ग व प्रत्यय छाँटकर लिखिए।

II. निम्न पंक्तियों में प्रयुक्त रेखांकित शब्दों के अलंकार का नाम लिखिए। (½x4=2)

1. संसार की समरस्थली में धीरता धारण करो।
2. मंगन को देखि पट देत बार–बार है।
3. अंबर पनघट में डुबो रही तारा घट उषा नागरी।
4. बन–ठन के सँवर के।

III. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। (½x4=2)

1. 'शरणागत' = विग्रह कीजिए।
2. यश और अपयश = समस्त पद बनाएँ।
3. चारपाई = समास का नाम लिखिए।
4. धन के समान श्याम है जो – कृष्ण = समास का नाम लिखिए।

IV. पद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1x3=3)

ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोइ।।

1. कवि का नाम तथा वे किस काल के हैं – लिखिए।
2. साधु किसकी निंदा करते हैं और क्यों?
3. किन्हीं दो शैलीगत विशेषताओं को उदाहरण सहित बताएँ।

V. निम्न गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

वैशाख में चाहे एकाध बार कुलेल कर लेता हो, पर हमने तो उसे कभी खुश होते नहीं देखा। उसके चेहरे पर एक विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख–दुख, हानि–लाभ, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा। ऋषियों–मुनियों के जितने गुण हैं, वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं।

1. प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है, इसके लेखक कौन हैं? (1)
2. कुलेल' और 'पराकाष्ठा' शब्दों के अर्थ लिखिए। (1)
3. 'स्थायी' व 'गुण' शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। (1)

VI. निम्न प्रश्नों के उत्तर 50–60 शब्दों में लिखिए। (1½x4=6)

1. छोटी बच्ची के मन में बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया? उसने अपने प्रेम को किस–किस प्रकार व्यक्त किया?
2. यात्रा के समय लेखक को किन–किन परेशानियों का सामना करना पड़ा? – 'ल्हासा की ओर' पाठ के आधार पर बताएँ।
3. लेखक बाढ़ की जानकारी लेने व उसका रूप देखने के लिए उत्सुक क्यों था? लेखक द्वारा एकत्र की गई किन्हीं दो वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।
4. 'थल–थल में बसता है शिव ही' – पद में कवयित्री ने क्या संदेश देने का प्रयास किया है?

*****

http://www.cbseboardonline.com